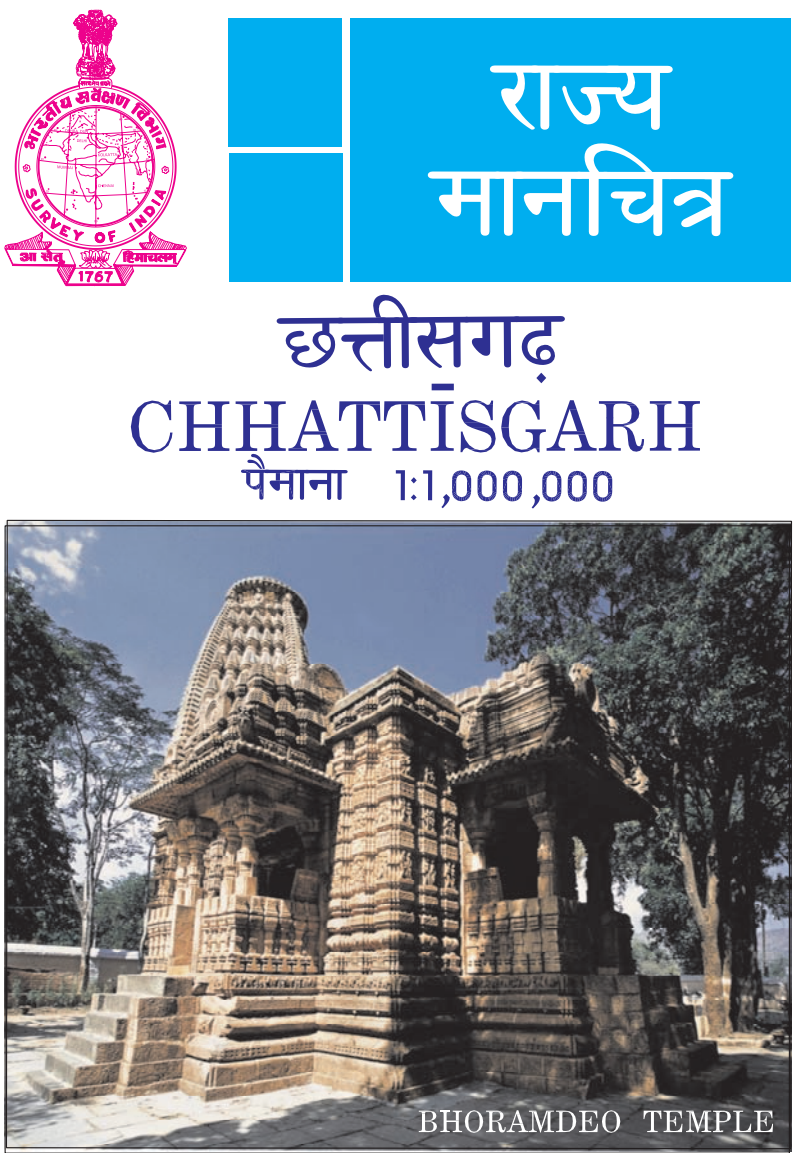




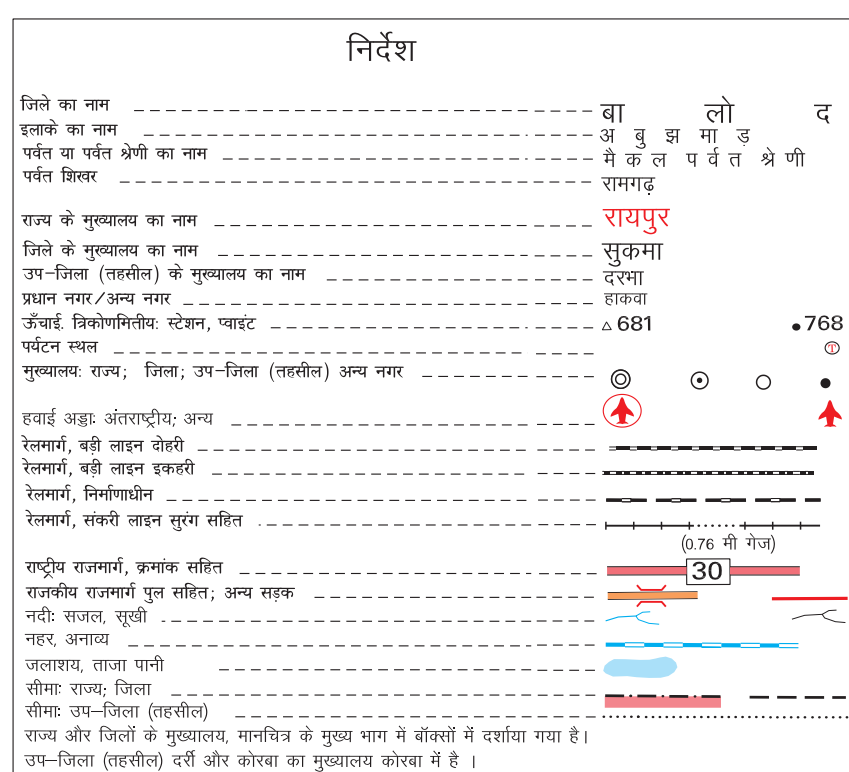
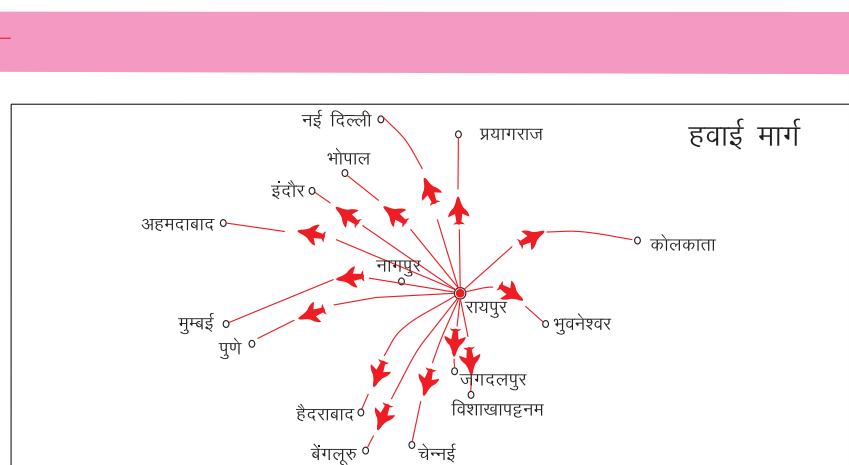
चतुर्थ संस्करण 2025 मूल्य : ₹135/-

छत्तीसगढ़ मध्य भारत का एक साधन वन क्षेत्र वाला राज्य है जो अपने मंदिरों और झरनों के लिए जाना जाता है। राजधानी रायपुर के पास, महादीप्ती नदी पर स्थित सिरपुर शहर में लाल ईंटों से बना लक्ष्मण मंदिर है जो बाजरी पीठाणिक कथाओं की नक़्काशी से सुसज्जित है। दक्षिण में जगदलपुर शहर में रविवार को संजय मार्जार लगता है, जो स्थानीय जनजातियों के लिए यस्तु विनिमय का स्थान है। विशाल चित्रकूट जलप्रपात उत्तर-पश्चिम में स्थित है।

यह कोयला, लौह अयस्क और डोलोमाइट जैसे खनिजों का एक प्रमुख उत्पादक है। इसके अलावा, राज्य में बॉक्साइट, चूना पत्थर और क्वार्ट्जहाट के पर्याप्त भंडार उपलब्ध हैं। भारत के टिन अयस्क भंडार का 35.4 प्रतिशत हिस्सा इसी राज्य में है। छत्तीसगढ़ भारत का एकमात्र ऐसा राज्य है जो टिन सान्द्र का उत्पादन करता है।

बस्तर लोकसेवा छत्तीसगढ़ राज्य की लोक संस्कृति का प्रतिनिधित्व करता है। यह त्यौहार वर्षा ऋतु की समाप्ति के बाद मनाया जाता है और इसमें छत्तीसगढ़ के सुदूर क्षेत्रों से बस्तर तक आने वाले आदिवासी समूह भाग लेते हैं।

बाबूतेवरवी मंदिर	ख/3
भोरमदेव मंदिर	ख/2
अद्यानकुमार राष्ट्रीय उद्यान	ख/2
मिलाई इस्पात संयंत्र	ख/3
रयशिकर जलाशय	ख/4
चित्रकोट जल प्रपात	ख/5
दत्तेवरवी मंदिर	ख/6
कुदुमसर गुफा	ख/6
तीर्थभद्र जल प्रपात	ख/6
गुरु बाबादेव राष्ट्रीय उद्यान	ख/1
महामाया मंदिर	घ/2
बारनवापाद जय ज्योत अम्यारण्य	घ/3
जैतखान (गिरीनयुषी धाम)	घ/3
लक्ष्मण मंदिर	घ/3
उदन्ती राष्ट्रीय उद्यान	घ/4
कलास गुफा	घ/1
बौद्ध मंदिर	घ/2



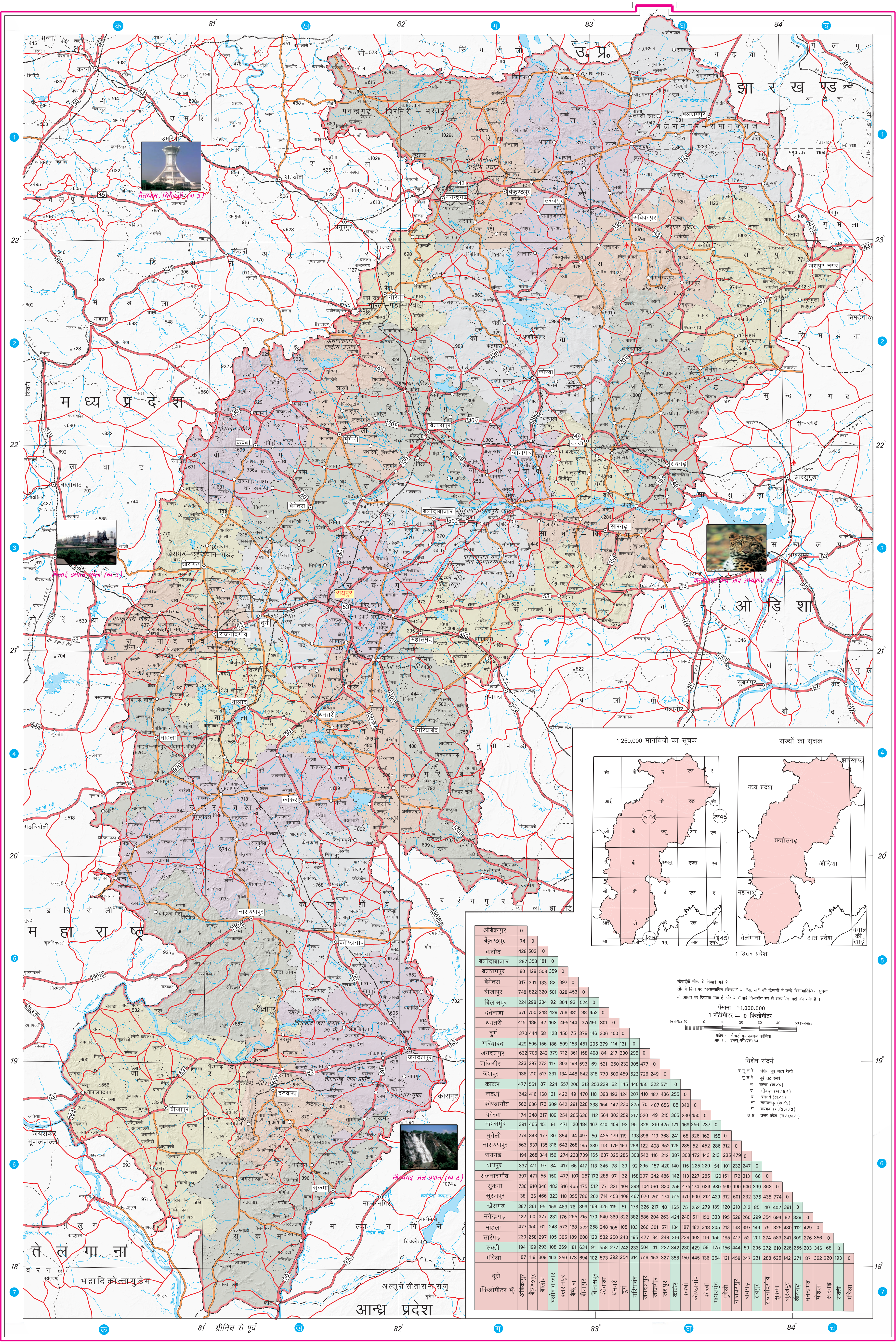
कृपया इस मानचित्र के बारे में अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :

निदेशक

तृतीय तल, केन्द्रीय सचिवालय भवन,

ब्लॉक 'बी', सेक्टर-24,

वेबसाइट = www.surveyofindia.gov.in



રજિ. સં. 263 ખા.સ.વિ.મુ. ડી' 25 (ઓફિસ ઈવં છ.ન. મૂ. સ્થા. નિર્દેશાસય (છ. મ. વિગ) તાલુકા - 1:1,000,000) - 33.

प्रथम संस्करण 2004, द्वितीय संस्करण 2014, तृतीय संस्करण 2023, चतुर्थ संस्करण 2025

भारत के महासर्वेक्षक हितेश कुमार एस. मकवाणा, भा.प्र.से. के निदेशन में प्रकाशित,

भारतीय सर्वेक्षण विभाग, हाथीबड़कला स्टेट, पोस्ट बाक्स सं० ३७, देहरादून - २४८००१ (उत्तराखण्ड)

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार।
2025

2023.

भारतीय सर्वेक्षण विभाग मुद्रणालय द्वारा मुद्रित ।

© भारत सरकार प्रतिलिप्यधिकार, 2025।

राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम आन्दोलन सर्वोच्च विभाग की निम्नित्त अनुसन्धि के तहत किसी भी माध्यम

से पूरे गान्धिविजय का किन्हीं भाग का पुनरुत्पादन वर्जित है।